News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-272
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

'सकारात्मकता की माटी में पनपने वाला पौधा ही एक दिन विशाल वट वृक्ष बनता है।'

बिहार सिटी चीफ

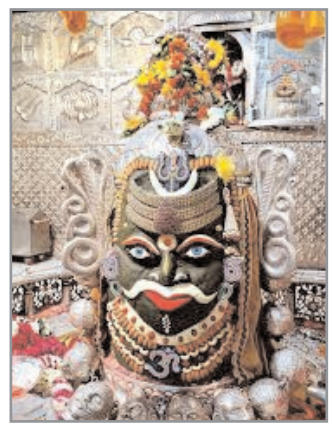

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, सोमवार, 06 जनवरी 2025
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

धरना देने से क्या होता है? अनशन पर बैठे PK के बारे में JDU विधायक ने

कहा..बिहार में बहुत लोग मरता रहता है, एक चला जाएगा तो क्या बिगड़ेगा?

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, 70वीं BPSC पीटी री एग्जाम सहित 5 सूत्री मांगों को लेकर जनसुराज पार्टी के संरक्षक व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर 2 जनवरी की शाम से पटना के गांधी मैदान में अनशन पर बैठे हुए हैं। खुले आसमान में गांधी मूर्ति के पास कई अभ्यर्थी भी उनके साथ आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। आज अनशन का तीसरा दिन है और अब आंदोलनकारियों की सेहत पर असर दिख रहा है। प्रशांत किशोर सहित अभ्यर्थियों के हेल्थ चेकअप के लिए वहां डॉक्टर की टीम भी मौजूद हैं।

वही गोपाल मंडल ने प्रशांत किशोर पर छात्रों को भड़काने का आरोप लगाया हैं। प्रशांत किशोर के आंदोलन पर कहा कि धरना देने से क्या होता है? बिहार में बहुत लोग मरता रहता है। धरना में एक आध गो चला ही जाएगा तो क्या बिगड़ जाएगा। प्रशांत किशोर के आमरण अनशन को लेकर बीजेपी, जेडीयू, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव हमलावर हैं। प्रशांत किशोर के आमरण अनशन पर गोपालपुर से जदयू विधायक गोपाल मंडल ने विवादित बयान दिया है। मीडिया से बातचीत करते हुए गोपाल मंडल ने कहा कि प्रशांत किशोर नेता नहीं हैं बल्कि एक प्रचारक हैं। प्रशांत किशोर कभी नरेंद्र मोदी के लिए प्रचार करते थे तो कभी नीतीश कुमार के लिए प्रचार किया करते थे। जो भी उनकों पैसा देता है उसके लिए चुनाव प्रचार करते हैं और चुनाव जीताने की रणनीति तैयार करते हैं।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के लिए भी उन्होंने चुनाव प्रचार किया था। अब वो नेता बनने आए हैं। जबकि प्रशांत किशोर नेता है ही नहीं। प्रशांत किशोर विधानसभा उपचुनाव में अपनी औकात देख चुके हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बड़बोले विधायक गोपाल मंडल ने प्रशांत किशोर पर छात्रों को भड़काने का आरोप लगाया वही पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को हिन्दुस्तान का नेता बताया। गोपाल मंडल ने कहा कि प्रशांत किशोर के धरना देने से क्या होगा? बिहार में बहुत कोई मरता है। एक दो धरना देते मर जाएगा तो क्या हो जाएगा? ऐसे लोगों की नेतागिरी नहीं चलेगी। वही पप्पू यादव को उन्होंने हिन्दुस्तान का नेता बताया। कहा कि पप्पू यादव का निर्णय सही रहता है लेकिन थोड़ा बड़बोलिया हैं बढ़चढ़ कर भी बोल देता है।

वैनिटी वैन की हकीकत जाकर दंग रह जायेंगे

बीजेपी-जेडीयू नहीं बल्कि कहीं और से हो रही है प्रशांत किशोर को फंडिग

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, BPSC ।®th परीक्षा में कथित गड़बड़ी के खिलाफ पिछले तीन दिनों से अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर दूसरी वजह से ही चर्चे में आ गये हैं. प्रशांत किशोर के आंदोलन और अनशन से ज्यादा उनके वैनिटी वैन पर चर्चा हो रही है. आरजेडी नेताओं की पूरी फौज इस वैन को लेकर प्रशांत किशोर पर लगातार हमला कर रही है. आरोप ये लगाया जा रहा है कि प्रशांत किशोर को आलीशान वैनिटी वैन समेत दूसरी सुविधायें बीजेपी उपलब्ध करा रही है. लेकिन फर्स्ट बिहार की पड़ताल में जो हकीकत सामने आयी है, वह चौंकाने वाली है.

पीके के लिए कांग्रेसी नेता की फंडिग

गांधी मैदान में प्रशांत किशोर की जो वैनिटी वैन खड़ी है, उसकी फर्स्ट बिहार ने पूरी पड़ताल की. ढ्ढर्स् कंपनी की इस वैन को मोडिफिकेशन कर वैनिटी वैन बनाया गया है, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर क्क्का३ड्ड-9000 है. हमने भारत सरकार के परिवहन मंत्रालय के जरिये इस वैन के मालिक की जानकारी ली. पता लगा कि ये वैन सनस्टार सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम पर खरीदी गयी है.

कौन है वैन का असली मालिक?

हमने बताया कि प्रशांत किशोर के जिस वैन की चर्चा हो रही है, उसका मालिक सनस्टार सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है. अब ये जानिये कि इस कंपनी के मालिक कौन हैं. इस कंपनी के तीन डायरेक्टर हैं. उनके नाम हैं सुशील कुमार सिंह, रूबी सिंह और अशोक बहादुर. अब आप रूबी सिंह के बारे में जानिये. रूबी सिंह बिहार के पूर्णिया के पूर्व सांसद उदय सिंह की पत्नी हैं. यानि सनस्टार कंपनी और वैनिटी वैन दोनों का संबंध पूर्व सांसद उदय सिंह से है.

प्रशांत किशोर का उदय सिंह के कनेक्शन

हम आपको प्रशांत किशोर से उदय सिंह के पूरे कनेक्शन को बताते हैं. प्रशांत किशोर पिछले ढ़ाई साल से बिहार में कैंप कर रहे हैं. इस दौरान पटना में उनका स्थायी आवास है, शहर के बेली रोड पर स्थित शेखपुरा हाउस. ये शेखपुरा हाउस पूर्व सांसद उदय सिंह का ही आलीशान बंगला है. पटना में प्रशांत किशोर की तमाम गतिविधियां उसी आलीशान बंगले से चलती हैं.

कौन हैं उदय सिंह?

अब ये जानिये कि पूर्व सांसद उदय सिंह का पूरा परिचय क्या है. उदय सिंह पूर्णिया के जमींदार परिवार से आते हैं. वे 2004 और 2009 में बीजेपी प्रत्याशी के तौर पर पूर्णिया से लोकसभा का चुनाव जीत कर सांसद रह चुके हैं. 2014 के लोकसभा चुनाव में वे चुनाव हार गये. हालांकि उदय सिंह तब बीजेपी में ही बने रहे. उन्हें उम्मीद थी कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी फिर से मौका देगी. लेकिन बीजेपी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में उदय सिंह को टिकट नहीं दिया.

कांग्रेस के नेता हैं उदय सिंह

उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले ही बीजेपी से नाता तोड़ लिया. 2019 के चुनाव से पहले वे कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गये. उस चुनाव में उन्हें कांग्रेस की ओर से टिकट मिला और वे आरजेडी की अगुआई वाले महागठबंधन की ओर से चुनाव लड़े. हालांकि चुनाव में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा.

2024 में भी थे कांग्रेस से टिकट के दावेदार

उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह 2024 के लोकसभा चुनाव में भी पूर्णिया सीट से कांग्रेस पार्टी के टिकट के प्रबल दावेदार थे. हालांकि चुनाव से पहले पप्पू यादव के कांग्रेस में शामिल होने से पूरा समीकरण ही बदल गया. आरजेडी ने कांग्रेस के लिए पूर्णिया सीट ही नहीं छोड़ी. तेजस्वी यादव को डर था कि कांग्रेस इस सीट से पप्पू यादव को उम्मीदवार बना देगी.

लिहाजा आरजेडी से पूर्णिया सीट से अपना उम्मीदवार खड़ा कर दिया. इस पूरे प्रकरण से नाराज उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने खुद को लोकसभा चुनाव से अलग कर लिया था. लेकिन कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया था.

आरजेडी प्रत्याशी पहुंची थी आशीर्वाद लेने

प्रशांत किशोर के वैनिटी वैन पर सियासी घमासान में आरजेडी के नेता उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह को बीजेपी का नेता करार दे रहे हैं. लेकिन वस्तुस्थिति ये है कि 7-8 महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में पूर्णिया से आरजेडी की उम्मीदवार बीमा भारती खास तौर पर उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह से आशीर्वाद लेने उनके घर पहुंची थीं. तब बीमा भारती ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि चूंकि उदय सिंह कांग्रेस के नेता हैं इसलिए उन्हें पूरा विश्वास है कि उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह का आशीर्वाद आरजेडी को ही हासिल होगा.

आरजेडी के दावों की हकीकत

इस पूरी पड़ताल से ये स्पष्ट है कि प्रशांत किशोर को फंडिंग में कांग्रेस के नेता का बड़ा रोल है. ये अलग बात है कि आरजेडी नेता बार-बार कह रहे हैं कि प्रशांत किशोर को बीजेपी और जेडीयू का पैसा मिल रहा है. हालांकि इसका कोई प्रमाण सामने नहीं आया है. आरजेडी नेता कह रहे हैं कि प्रशांत किशोर को JOGGF नाम की कंपनी से मोटा पैसा मिल रहा है. इसके डायरेक्टर भी पूर्व सांसद उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह हैं. लेकिन उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह आज की तारीख में भी कांग्रेस पार्टी के ही सदस्य हैं. उन्होंने न कांग्रेस से इस्तीफा दिया है और ना ही कांग्रेस पार्टी ने उन्हें दल से निकाला है.

'भारत माता की जय' का विरोध पड़ा भारी

DPO ने शिक्षक हसन रजा के खिलाफ ले लिया बड़ा एक्शन

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, बिहार के बांका जिले के संजय गांधी बालिका उच्च विद्यालय, विश्वासपुर के शिक्षक मोहम्मद हसन रजा को कई गंभीर आरोपों के आधार पर निलंबित कर दिया गया है। इन आरोपों में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, कर्तव्यहीनता और राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान शामिल हैं।

विभिन्न शिकायतों के अनुसार, रजा बच्चों के साथ सोते हुए पाए गए हैं, कक्षा में कुर्सी पर बैठकर सोते हैं, बिहार राज्य गीत गाने में बाधा डालते हैं और भारत माता की जय बोलने पर टिप्पणी करते हैं।

इसके अलावा, उन्होंने विद्यालय के निरीक्षण के दौरान भी अनुशासनहीनता दिखाई है।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी संजय कुमार यादव ने बताया कि रजा के खिलाफ कई साक्ष्य हैं और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। निलंबन की अवधि के दौरान रजा का मुख्यालय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, चांदन के कार्यालय में होगा।

विद्यालय में अन्य शिक्षकों के खिलाफ भी जांच चल रही है। प्रभारी प्रधानाध्यापक राजीव कुमार से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है और पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक विनय राय को पहले ही हटा दिया गया है। डीपीओ के इस एक्शन के बाद अन्य शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

पटना में प्राइमरी स्कूल 11 जनवरी तक बंद

कड़ाके की ठंड के चलते DM का निर्देश

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, अत्यधिक ठंड के कारण जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों के संचालन पर जिला पदाधिकारी पटना ने 11 जनवरी तक पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया है. यह आदेश आंगनवाड़ी और प्ले स्कूलों पर भी लागू होगा. हालांकि, कक्षा 9 से ऊपर के विद्यार्थियों के लिए स्कूल सुबह 9꞉00 बजे से 3꞉30 बजे तक संचालित होंगे. यह कदम ठंड को देखते हुए छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है.

पटना में पिछले कुछ दिनों से अत्यधिक ठंड और घना कोहरा देखने को मिला है, जिससे छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी. जिला प्रशासन ने सभी स्कूलों को आदेश दिया है कि वे इस अवधि के दौरान ठंड के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए स्कूल संचालन की व्यवस्था करें.

रैपर हितेश्वर व साधना सरगम का रंगदार दूल्हा सुपरहिट

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, रैपर हितेश्वर ने भोजपुरी को अश्लील रहित यूं तो बहुत सारे गाने दिए पर भोजपुरिया बादशाह का जो अंदाज लोगों को रंगदार दूल्हा में दिखा है वह जनता को बेहद पसन्द आ रहा है रैपर हितेश्वर औफिसियल से रिलिज़ हुआ ये गाना बड़ा हिट साबित हो रहा हैं

वहीं गीतकार चंदन चौबे ने कहा की यह गाना दहेज को लेकर जीजा साली के नोक झोंक पर लिखा गया है और हम ऐसे ही बेहतर गानों को जनता के बीच लाएंगे साथ ही उन्होंने कहा की बहुत जल्द शिव जी का एक भजन रिलीज किया जाएगा जिसकी शुटिंग सोनपुर में होगी वहीं रंगदार दूल्हा के कास्ट की बात करें तो इनाम खान हैं गाने को म्यूजिक दिया है अनिल बाजी ने ।

40 साल लंबी लड़ी लड़ाई, लोग बोलते थे बांग्लादेशी

बिहार में पहली बार CAA के तहत महिला को मिली भारतीय नागरिकता

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, बिहार में पहली बार किसी विदेशी नागरिक को ष्ट के तहत भारतीय नागरिकता दी गई है. ये महिला आरा की चित्रटोली रोड की रहने वाली है. भारतीय नागरिकता दिलाने में इस महिला की तीन बेटियों ने भी बहुत संघर्ष किया. बता दें कि देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम-2019 (सीएए) लागू होने के बाद बिहार में एक विदेशी महिला को पहली बार भारतीय नागरिकता प्रदान की गई है. इस महिला के पास बांग्लादेश की नागरिकता थी. वह भोजपुर जिले में 39 साल से रह रही है. लेकिन, देश में सीएए कानून लागू होने के बाद उन्होंने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया था.भारतीय विदेश मंत्रालय, सीबीआई, भारतीय डाक विभाग, पासपोर्ट विभाग, बिहार सरकार व सीआईडी की जांच के बाद अब तक बांग्लादेशी नागरिक रहीं सुमित्रा रानी साहा को भारतीय नागरिक घोषित कर दिया गया है. सुमित्रा को भारतीय नागरिक बनने में 39 साल तक कठिन प्रयास करना पड़ा. उनकी शादी साल 1985 में हुई. इसके बाद में वह भोजपुर जिला आई थी. अभी इनकी उम्र 60 साल है. यहां उनका अपना परिवार है. इन्हें भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए कई बार अपनी बेटी के साथ कार्यालयों का चक्कर काटती रहीं. उनका पासपोर्ट बांग्लादेश का था. भारत में रहने के लिए उनको बार-बार वीजा रिन्यूअल कराना पड़ता था. अभी भी वीजा साल-2025 तक अपडेट है. लेकिन इससे वह स्थाई रूप से भारतीय नागरिक बनने के लिए इस झमेला से छुटकारा पाना चाहती थी. इस बीच देश में कानून लागू हुआ. इससे सुमित्रा के मन में आस जगी. परिवार के सहयोग से भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया. भारतीय नागरिकता देने के लिए महिला के कागजातों की कई स्तर से जांच की गई. सीबीआई ने भी मामले पर काफी जांच की. इसके बाद सीबीआई की रिपोर्ट और अन्य कागजातों की जांच के बाद अंततः सुमित्रा रानी साह्य को भारतीय नागरिकता प्रदान कर दी गई है.